जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 44 संख्याः 84 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 18 अक्टूबर, 2022 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

गत 6 सप्ताह में बर्ड फ्लू की वजह से साउथ अफ्रीका के एक ब्रीडिंग सैंटर में 30 अफ्रीकन पैनग्विन्स की मौत हो गई। सदर्न एफ्रिकन फाउण्डेशन फॉर द कोस्टल बड्र्स संस्था के पशु चिकित्सक डॉ. डेविड रॉबर्ट्स ने बताया कि "28 सी बड्र्स बर्ड फ्लू की वजह से या तो मर गए या संक्रमित हो गए जिसकी वजह से उन्हें मारना पड़ा।" केपटाउन से 12 मील दूर बोल्डर्स बीच कॉलोनी, जहाँ 3000 पैनग्विन हैं, में सबसे पहले मई में बर्ड फ्लू का वायरस मिला था। अफ्रीकन पैनग्विन पहले से ही इंटरनैशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर की रैड लिस्ट में सूचीबद्ध हैं, इसका अर्थ है कि ये इस समय विलुप्ति के गंभीर संकट का सामना कर रही हैं। डॉ. रॉबर्ट्स ने कहा, "पहले से ही पैनग्विन भोजन की कमी से लेकर आवास विनाश तक और महासागरों का इकोसिस्टम नष्ट होने जैसी समस्याओं का सामना कर रही हैं इसलिए हमें चिंता है कि यह रोग इन्हें विलुप्ति के एकदम करीब ले जा सकता है।" इस वर्ष बर्ड फ्लू का सीज़न बहुत खराब था जिसके कारण विश्वभर में लाखों जंगली पक्षी और मुर्गियां आदि मरी हैं और अब यह अन्य प्रजातियों, खासकर स्तनपायी, में भी फैल रहा है, जिनमें डॉलफिन, सील व लोमड़ियाँ प्रमुख हैं। यूरोपियन फूड सेफ्टी अथॉरिटी और यूरोपियन सेंटर फॉर डिज़ीज़ प्रिवेंशन एंड कंट्रोल के अनुसार पूरे महाद्वीप में बर्ड फ्लू की यह अब तक की सबसे बड़ी लहर है। आंकड़ों के अनुसार अब तक 4.80 करोड़ पक्षी मारे जा चुके हैं। स्वालबार्ड से साउथ पुर्तगाल और पूर्वी यूक्रेन तक यूरोप के लोगों में बर्ड फ्लू के कुछ केस मिले हैं। यूरोपियन सैंटर फॉर डिज़ीज़ प्रिवेंशन एण्ड कन्ट्रोल की डायरैक्टर एण्ड्रिया एमन ने बताया कि, जानवरों के साथ काम करने वाले लोगों में संक्रमण का खतरा ज्यादा है। फ्रांसिस क्रिक इंस्टीट्यूट के वर्ल्डवाइड व इन्फ्लुएंजा सैंटर के डायरैक्टर डॉ. जॉन मैकॉले ने कहा कि, यूरोप व उत्तरी अमेरिका में भारी सक्रियता की वजह से शायद इस वायरस का तेजी से प्रसार हुआ है और अभी इसके और बढ़ने की संभावना है।

'मुझे आप से यह उम्मीद नहीं थी'

राहुल गांधी द्वारा गहलोत को कही गयी इस पंक्ति के बाद, गहलोत ने खड़गे के नजदीक जाने के (चमचागिरी के) प्रयास और तेज किये

- प्रयास की श्रृंखला में, मु.मंत्री ने खड़गे के पक्ष में वोट करने के लिये "डैलिगेट्स" में प्रचार किया तथा विडियो भी जारी किया, हालांकि इस प्रकार प्रचार करना कांग्रेस की चुनाव समिति के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्री ने अपने आदेश से वर्जित किया था।
- शशि थरूर ने गहलोत के इस आचरण के प्रति काफी नाखुशी दिखायी।
- पर, मधुसुदन मिस्री से इस बारे में पूछा गया तो, उन्होंने कहा, चुनाव सम्पन्न हो चुका है, अतः इसके साथ स्वयमेव सभी शिकायतें भी खत्म हो गयीं। वैसे भी उन्हें (मधुसूदन मिस्री को) शशि थरूर की ओर से कोई लिखित में शिकायत प्राप्त नहीं हुई थी।
- मु.मंत्री के खेमे से यह तर्क भी दिया जा रहा है कि, क्योंकि गहलोत गुजरात चुनाव के प्रभारी भी हैं, अतः गुजरात के चुनाव समाप्त होने का इंतजार करना चाहिये, राजस्थान के मसलों पर कोई निर्णय लेने से पहले। इसी संदर्भ में चर्चा यह भी है कि, गुजरात चुनाव में बहुत पैसा लग रहा है, जो राजस्थान के मु.मंत्री उपलब्ध करा रहे हैं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। अपनी कुर्सी बचाने के संघर्ष में लगे अशोक गहलोत खड़गे का दिल जीतने के लिए उनकी खुलकर चमचागिरी कर रहे हैं। वह मुख्यमंत्री पद की कुर्सी पर बने रहने के लिए रात-दिन प्रयास कर रहे हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस चुनाव कमेटी के चेयरमैन मधुसूदन मिस्री द्वारा तय की गईं उन गाइडलाइन्स का उल्लंघन किया कि पार्टी का कोई भी पदाधिकारी का कोई सत्तासीन व्यक्ति कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ रहे दोनों प्रत्याशियों में से किसी के लिए प्रचार नहीं करेगा।

अशोक गहलोत ने एक वीडियो जारी किया था जिसमें उन्होंने प्रतिनिधियों से मल्लिकार्जुन खड़गे को वोट देने के लिए कहा था।

इसे एक खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन के रुप में देखा गया क्योंकि किसी भी अन्य नेता ने इस तरह खुलकर प्रचार नहीं किया था।

शशि थरुर ने अशोक गहलोत के व्यवहार और खड़गे के पक्ष में वोटर्स को प्रभावित करने को लेकर अपनी नाखुशी जाहिर की थी।

आज वोटिंग पूर्ण होने के बाद, यह प्रश्न मधुसूदन मिस्री से पूछा गया, जिन्होंने कहा कि उन्हें थरुर से कोई शिकायत नहीं मिली और मतदान पूरा होने के साथ ही सभी बकाया मुद्दे स्वत: निस्तारित हो चुके हैं।

लेकिन मिस्री ने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं की प्रशंसा भी की और कहा कि उनमें से अधिकांश ने किस तरह से गाइडलाइन्स का पालन किया और उनका उल्लंघन नहीं किया।

समझा जाता है कि गहलोत अब हताश हो रहे हैं क्योंकि राहुल ने उनसे इतनी ही बात की उनसे इतनी ही बात की "मुझे आपसे ये उम्मीद नहीं थी।" इसके बाद उन्होंने गहलोत से बात नहीं की।

अशोक गहलोत अब सोनिया गांधी के निकट के लोगों को यह समझाने का प्रयास कर रहे हैं कि, चूंकि वह गुजरात के प्रभारी हैं, इसलिए पार्टी को राजस्थान पर ध्यान देने से पूर्व गुजरात के चुनावों की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

सूत्र कहते हैं कि गुजरात पर भारी धनराशि खर्च की जा रही है और इस राशि को गहलोत द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा है।

स्थिति बुधवार को ही स्पष्ट होगी जब कांग्रेस के नए अध्यक्ष का निर्वाचन हो जाएगा।

राज्यपाल व सरकार में झगड़ा, एक दूसरे को धमकी देने तक पहुंचा

केरल के राज्यपाल ने उन मंत्रियों को बर्खास्त करने की धमकी दी, जो राज्यपाल के पद की गरिमा गिराने का प्रयास कर रहे हैं

- वामपंथी सरकार ने प्रत्युत्तर में कहा, यह एक थोथी गीदड़ भभकी है, क्योंकि राज्यपाल को ऐसे कोई अधिकार प्राप्त नहीं हैं कि, चुनकर आये जन प्रतिनिधियों के साथ ऐसा कुछ कर सकें।
- वामपंथी सरकार ने संशोधन विधेयक के मार्फत विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर की नियुक्ति के मामले में परिवर्तन लाने का प्रयास किया तथा राज्यपाल की भूमिका खत्म करने की कोशिश की।
- राज्यपाल ने इस विधेयक को लागू करने की अनुमति नहीं दी। राज्यपाल के इस कृत्य को सरकार ने पसंद नहीं किया व कई मंत्रियों ने राज्यपाल को "अपनी औकात" में रहने की सलाह दी।
- इससे मामला और भड़का तथा राज्यपाल ने ऐसा वक्तव्य देने वाले मंत्रियों को बर्खास्त करने की धमकी दी। क्योंकि, राज्यपाल के अनुसार सरकार व मंत्री कानूनन राज्यपाल के "प्लैज़र" में रहने तक ही सरकार में रह सकते हैं।

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। केरल के नाराज राज्यपाल द्वारा उन मंत्रियों को पद से हटाने की धमकी दी जा रही है जो राज्य के उच्च संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की गरिमा को कम कर रहे हैं। इससे यहां पर बड़ी लड़ाई आसन्न है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की इस धमकी को अब राज्य सरकार के मंत्रियों से एक त्वरित प्रतिक्रिया मिली है। ये मंत्री उनकी धमकी को खोखला बताते हुए कहते हैं कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, जो खासतौर पर राज्य के मंत्री भी हैं, पर राज्यपाल की कोई पावर नहीं है।

राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री आर. बिन्दु ने जब विश्वविद्यालय के संदर्भ में संशोधित कानूनों के एक विधेयक पर मंजूरी ना दिए जाने पर सवाल उठाया तो अब राज्यपाल ने अपना भावेश ट्वीट्स के जरिए सार्वजनिक कर दिया है। बिन्दु ने कहा कि यह विधेयक विधानसभा द्वारा पारित किया जा चुकी है। उन्होंने राज्यपाल को स्मरण कराया कि वह संवैधानिक कर्त्तव्यों से बंधे हैं।

मजेदार बात यह है कि केरल में सरकार और राज्यपाल की तनातनी में कभी जारी रहती है तो कभी शांत हो जाती है। राज्य सरकार और शासन की संचालन सी.पी.एम. ने आरोप लगाया है कि राज्यपाल एक निष्पक्ष गवर्नर, जिनके नाम पर शासन चलता है, के बजाए एक भाजपा नेता और केन्द्र सरकार के प्रतिनिधि के रूप में अधिक कार्य कर रहे हैं।

बड़ी लड़ाई का नवीनतम कारण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नया अध्यक्ष बुधवार को

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव सोमवार को अपरान्ह 4 बजे समाप्त हो गया। अब ये सभी मतपेटियाँ बुधवार को होने वाली मतगणना के लिये यहाँ पार्टी मुख्यालय लाई जायेंगी।

मतदान यहाँ ए.आई.सी.सी. मुख्यालय तथा दिल्ली प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के साथ ही, सभी राज्यों के पार्टी-मुख्यालयों पर सम्पन्न हुआ। इसके अतिरिक्त, एक अस्थाई मतदान केन्द्र की व्यवस्था भारत जोड़ो यात्रा के आज के मार्ग पर भी की गई थी, जिससे राहुल गांधी तथा यात्रा में भाग ले रहे अन्य प्रतिनिधि अपने वोट डाल सकें।

- कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव की मतगणना बुधवार को होगी और उसी दिन नए अध्यक्ष की घोषणा होगी।

ऐसी उम्मीद की जा रही है कि 22 साल के अन्तराल के बाद हुये इस सीधे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज ठाकरे व शरद पवार का दबाव कामयाब हुआ

भाजपा ने अंधेरी उपचुनाव में उम्मीदवार को बिठा दिया

- भाजपा ने एक तीर से दो शिकार किये। एक तरफ तो दिवंगत शिव सेना विधायक की पत्नी को निर्विरोध जीतने का मौका दिया और शिव सैनिकों की सहानुभूति अर्जित की।
- राज ठाकरे के सुझाव को स्वीकार कर यह जताया कि, राज ठाकरे का काफी प्रभाव है सरकार में तथा वे उद्धव ठाकरे के मुकाबले एक दम प्रभावहीन नहीं हैं।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। राज ठाकरे तथा शरद पवार की अपीलों के दबाव से घिर चुकी भाजपा ने आज उदारता दर्शाते हुये मुम्बई की अंधेरी (पूर्व) सीट के महत्वपूर्ण उपचुनाव से अपना उम्मीदवार हटा लिया तथा इस प्रकार उनके प्रतिद्वंदी उद्धव ठाकरे की विजय सुनिश्चित हो गई।

शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट की प्रत्याशी रुतुजा लटके अब अंधेरी (पूर्व) विधानसभा क्षेत्र से निर्विरोध जीत जायेगी। यह सीट उनके पति तथा शिव सेना विधायक रमेश लटके का इस साल के शुरु में निधन हो जाने के कारण खाली हो गई थी।

उनके भाजपा प्रतिद्वंदी मुरजी पटेल 3 नवम्बर को होने वाले उपचुनाव से आज हट गये।

भाजपा ने यह प्रतिक्रिया रविवार को हुई दो अपीलों में दर्शाई। पहली अपील के अन्तर्गत, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के विरोधी चचेरे भाई तथा महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस को पत्र लिखकर, उनसे भाजपा प्रत्याशी के चुनाव मैदान से हटा लेने के लिये कहा था क्योंकि यह कदम स्व. लटके, जो शिव सेना के एक निष्ठावान तथा मेहनती एवं ज़मीन से जुड़े नेता थे, के प्रति एक सकारात्मक भाव दर्शायेगा। एम.एन.एस. प्रमुख की इस अपील का समर्थन एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने भी किया था तथा कहा था कि भाजपा द्वारा अपने उम्मीदवार को हटा लिया जाना महाराष्ट्र की समृद्ध राजनैतिक परम्परा का अनुसरण होगा।

भाजपा उस समय और ज्यादा दबाव में आ गई, जब एक और अपील आई तथा यह अपील महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सेना-गुट ने की थी। शिव सेना के शिंदे गुट के विधायक प्रताप सरनाइक ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा कि रुजुता लटके के स्व. पति के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में भाजपा को श्रीमती लटके के खिलाफ अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं करना चाहिये। सरनाइक ने अपने पार्टी प्रमुख से कहा था कि सभी दलों को रुजुता लटके का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खिलाड़ियों के साथ घिनौना मजाक

जयपुर 17 अक्टूबर । भारतीय जनता पार्टी के विधायक कालीचरण सराफ ने कहा कि तीन महीने पूर्व झूठी वाहवाही लूटने के लिए राजस्थान क्रीड़ा परिषद ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हाथों उनके बीकानेर दौरे के दौरान 15 प्रतिभावान एवं होनहार

- भाजपा विधायक कालीचरण सर्राफ ने आरोप लगाया कि, कोष में पैसा नहीं होने के बाद भी राजस्थान क्रीड़ा परिषद ने बीकानेर में मुख्यमंत्री से खिलाड़ियों को चैक बंटवा दिए और अब खिलाड़ी भुगतान के लिए भटक रहे हैं।

खिलाड़ियों को चैक वितरित करवा दिए, जबकि परिषद के कोष में पैसा ही नहीं था। सराफ ने इस गंभीर लापरवाही की कटु शब्दों में निंदा की है।

बताया जा रहा है कि क्रीड़ा परिषद के द्वारा मुख्यमंत्री के बीकानेर दौरे के दौरान आनन-फानन में होनहार खिलाड़ियों को चैक वितरित करा दिए गए थे। लेकिन खिलाड़ियों को आज तक चैक का भुगतान नहीं किया गया। प्रदेश के होनहार खिलाड़ी चैक के भुगतान के लिए इधर से उधर भटक रहे हैं परंतु उनको

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'युवा शक्ति मेहनत कर सकती है, लेकिन अनुभव का कोई विकल्प नहीं, अनुभव से ही पार्टी चलती है'

मुख्यमंत्री गहलोत ने बिना नाम लिए फिर सचिन पायलट पर तंज कसा

- मेरे और गांधी परिवार के रिश्ते उसी तरह हैं, जिस तरह विनोबा भावे और गीता माता के संबंध तर्क से परे हैं, 19 के बाद भी वैसे ही रहेंगे जैसे 50 साल से हैं।
- गहलोत ने यह भी कहा कि, जिन्हें बिना रगड़ाई के पद मिल गया, वो देश में फितूर कर रहे हैं, जल्दबाजी ठीक नहीं, क्योंकि जल्दबाजी में केवल ठोकर लगती है।

जयपुर, 17 अक्टूबर (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस के सियासी अंतर्द्वंद के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर "रगड़ाई" शब्द का प्रयोग करते हुए किसी का नाम लिए बिना सचिन पायलट सहित कांग्रेस के युवा नेताओं पर तंज कसा। उन्होंने गांधी परिवार से खुद के रिश्तों को लेकर भी कहा कि 19 अक्टूबर के बाद भी उनके रिश्ते वही रहेंगे, जो हमेशा से रहे हैं। इन दोनों बातों के जरिए मुख्यमंत्री ने कहीं ना कहीं बदलाव की खबरों पर विराम लगाने का प्रयास किया है। यद्यपि वास्तव में विराम लगेगा या नहीं यह तो आने वाले दिनों में ही पता चलेगा।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए मतदान करने आए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि "जिन्हें बिना रगड़ाई" के पद मिल गया, वो देश में फितूर कर रहे हैं। जब कांग्रेस के अच्छे दिन आएंगे तो इनके दिन भी अच्छे आएंगे, कोई रोक नहीं सकता। कांग्रेस में सभी को अवसर मिलता है। जल्दीबाज ठीक नहीं है, क्योंकि जल्दबाजी में केवल ठोकर लगती है।"

उन्होंने कहा कि "युवा शक्ति मेहनत कर सकती है, लेकिन अनुभव का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। अनुभव से ही गांव, कस्बा और पार्टी चलती है। युवाओं को तवज्जो नहीं मिलने की बात पर उन्होंने कहा कि जो लोग पार्टी छोड़कर गए हैं, वे अवसरवादी हैं। इस दौरान गहलोत ने ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद के साथ ही आरपीएन सिंह के नामों का भी जिक्र करते हुए खुद का उदाहरण दिया और कहा कि मैं इंदिरा गांधी सरकार में उप मंत्री बना, लेकिन इन्हें अच्छे पोर्टफोलियो के साथ राज्य मंत्री बना दिया गया।

25 सितंबर की घटना के बाद गांधी परिवार के साथ तल्ख हुए रिश्तों को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खुद के ओर गांधी परिवार के रिश्ते विनोबा भावे और गीता माता के रिश्तों की तरह बताते हुए उन्हें तर्क से परे बताया और दावा किया कि भले ही मीडिया में किसी भी तरीके की खबरें चल रही हों, लेकिन 19 अक्टूबर के बाद भी उनके और गांधी परिवार के रिश्ते वैसे ही बने रहेंगे, जैसे पहले थे।

राहुल गांधी से बेल्लारी में हुई चर्चा को लेकर गहलोत ने कहा कि "राहुल गांधी से पहले भी चर्चा होती रही है और आगे भी होती रहेगी। जितनी भी आशंकाएं मीडिया व्यक्त करता है वह उनकी मेहरबानी है कि पता नहीं आगे क्या होगा। आज उसका जवाब मैंने आपको दे दिया है।" गहलोत ने कहा कि "19 अक्टूबर के बाद में भी मेरे रिश्ते गांधी परिवार से वही रहेंगे, जो पिछले 50 साल से रहे हैं। यह मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि अब मल्लिकार्जुन खड़गे चुनाव जीतेंगे। उसके बाद आगे का जवाब वह देंगे।

स्मार्ट ब्राह्मणों की याचिका खारिज

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडू के स्मार्त ब्राह्मणों की एक याचिका को सोमवार को खारिज कर दिया। याचिका में मांग की गई थी कि स्मार्त ब्राह्मणों को अल्पसंख्यक का दर्जा दिया जाए ताकि उन्हें अपने अद्वैत धर्म के दर्शन का प्रचार-प्रसार करने की स्वतंत्रता मिल सके।

- सुप्रीम कोर्ट ने अल्पसंख्यकों का दर्जा मांग रहे तमिलनाडू के स्मार्त ब्राह्मणों की याचिका खारिज कर दी और कहा कि, अद्वैत दर्शन का पालन करने वाले सभी समुदायों को अल्पसंख्यक दर्जा दे दिया तो भारत अल्पसंख्यकों का देश बन जाएगा।

जस्टिस कृष्णा मुरारी और जस्टिस एस. रविन्द्र भाट की एक बैंच ने इस संबंध में मद्रास हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा जिसमें व्यवस्था दी गई थी कि स्मार्त ब्राह्मण कोर्ट धार्मिक सम्प्रदाय नहीं है, अत: इसे अल्पसंख्यक का दर्जा नहीं दिया जा सकता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)